NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

भारत में रोजगार का परिवर्तित परिदृश्य

www.nextias.com

भारत में रोजगार का परिवर्तित परिदृश्य

संदर्भ

- भारत में प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में स्नातक होने के बावजूद, उन्हें **सार्थक और स्थिर रोजगार** में शामिल करने में लगातार चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

भारत का रोजगार परिदृश्य

- **युवा रोजगार संकट**
  - **भारत रोजगार रिपोर्ट 2024** (ILO और IHD द्वारा) के अनुसार, भारत के **बेरोजगारों में 83% युवा** शामिल हैं।
  - **आधे से अधिक स्नातक रोजगार के लिए तैयार नहीं** हैं — उनके पास **मूलभूत डिजिटल और व्यावसायिक कौशल** की कमी है।
  - केवल **3.7% कार्यबल** को औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त है।
  - **आर्थिक सर्वेक्षण 2023–24** भी दर्शाता है कि स्नातक के बाद केवल **आधे युवा ही नौकरी के लिए तैयार** होते हैं।
  - **AI और तकनीकी बदलावों** के कारण पारंपरिक नौकरियाँ विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में प्रभावित हो रही हैं।
- **औपचारिक बनाम अनौपचारिक कार्य**
  - **EPFO डेटा** दर्शाता है कि **18–25 आयु वर्ग** के युवाओं में औपचारिक क्षेत्र में भागीदारी बढ़ रही है।
  - फिर भी **90% रोजगार अनौपचारिक** है, जिसमें **सीमित सामाजिक सुरक्षा** उपलब्ध है।
  - नए पंजीकरण में **नव स्नातक पेशेवरों** का वर्चस्व है।
- **युवाओं में डिजिटल कमियाँ**
  - **डिजिटल निरक्षरता** एक बड़ी समस्या है:
    - लगभग **75% युवा ईमेल के साथ अटैचमेंट भेजने में असमर्थ** हैं।
    - लगभग **60% फाइल संचालन नहीं कर सकते**।
    - लगभग **90% स्प्रेडशीट कौशल जैसे सूत्रों का उपयोग नहीं जानते**।
  - ये कमियाँ चिंताजनक हैं, विशेष रूप से **विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट 2025** के अनुसार:
    - **2030 तक 170 मिलियन नए रोजगार** (कुल रोजगार का 14%)
    - **92 मिलियन रोजगार समाप्त** (8%)
    - **नेट वृद्धि: 78 मिलियन रोजगार** , जिनके लिए **नए कौशल और दक्षताओं** की आवश्यकता होगी।
- **संरचनात्मक चुनौतियाँ**
  - भारत के **विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं** में शामिल होने के बावजूद **बेरोजगार वृद्धि** जारी है।
  - **स्वचालन और AI** पारंपरिक भूमिकाओं को खतरे में डाल रहे हैं।
  - **लैंगिक अंतर और सामाजिक असमानताएँ** बनी हुई हैं — **SC/ST समुदाय** कम वेतन वाली अनौपचारिक रोजगारों में अधिक प्रतिनिधित्व रखते हैं।

प्रमुख प्रयास और पहलें

- **कौशल विकास और प्रशिक्षण**

- **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)**: उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार अल्पकालिक प्रशिक्षण।
- **राष्ट्रीय अप्रेंटिस प्रोत्साहन योजना (NAPS)**: नियोक्ताओं को प्रशिक्षु रखने के लिए प्रोत्साहन।
- **जन शिक्षण संस्थान (JSS)**: वंचित वर्गों के लिए अनौपचारिक कौशल प्रशिक्षण।
- **क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम (CTS)**: ITI के माध्यम से तकनीकी कौशल निर्माण।

- **रोजगार सृजन योजनाएँ**
  - **MGNREGS**: ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिन का वेतन रोजगार।
  - **प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)**: सूक्ष्म उद्यमों और स्वरोजगार को समर्थन।
  - **दीनदयाल अंत्योदय योजना (DAY-NULM & DDU-GKY)**: शहरी और ग्रामीण आजीविका पर केंद्रित।
  - **उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजना**: ₹1.97 लाख करोड़ का आवंटन; 5 वर्षों में 60 लाख रोजगार।
  - **बजट 2024–25**: ₹2 लाख करोड़ का पैकेज; 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं को समर्थन।
    - **1 करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप योजना**: ₹5,000 मासिक भत्ता।
    - **20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण** और **1,000 ITI का उन्नयन**।

आगे की राह: महत्वपूर्ण सुधार

- **उद्योग-अकादमिक सहयोग**: प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान में औपचारिक उद्योग साझेदारी अनिवार्य होनी चाहिए।
- **उच्च शिक्षा में जवाबदेही**: संस्थानों को केवल शैक्षणिक परिणाम नहीं, बल्कि **प्लेसमेंट** के लिए भी उत्तरदायी बनाया जाए।
- **आइडिया लैब्स और टिंकर लैब्स** को सभी स्कूलों और कॉलेजों में मानक बनाना चाहिए।
- **पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण**: मानविकी, विदेशी भाषाएँ और सॉफ्ट स्किल्स को प्रत्येक स्तर पर शामिल किया जाए।
- **वैश्विक कौशल रणनीति**: अंतरराष्ट्रीय मांग के अनुसार कौशल कार्यक्रम तैयार किए जाएँ — विशेष रूप से **पश्चिमी देशों में श्रम की कमी** को ध्यान में रखते हुए।
- **भारतीय शिक्षा सेवा की स्थापना**: IAS की तर्ज पर एक समर्पित सेवा बनाई जाए ताकि शिक्षा नीति और प्रशासन में श्रेष्ठ प्रतिभा आए।
  - उद्योग के पेशेवरों को पढ़ाने की अनुमति दी जाए ताकि छात्र **शैक्षणिक और व्यावहारिक ज्ञान** दोनों से लाभान्वित हों।

निष्कर्ष

- यदि **शिक्षा और रोजगार प्रणाली में तत्काल और रणनीतिक सुधार** नहीं किए गए, तो **युवा लाभांश एक जनसांख्यिकीय भार** में बदल सकता है।
- **कौशल और रोजगार के बीच की खाई को पाटना** केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं — बल्कि **दीर्घकालिक स्थिरता और समृद्धि के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकता** है।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: हाल के वर्षों में भारत के रोज़गार परिदृश्य में आए परिवर्तन में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए। सरकारी नीतियों और परिवर्तित कार्यबल प्राथमिकताओं ने इस बदलाव को किस प्रकार आकार दिया है?